TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

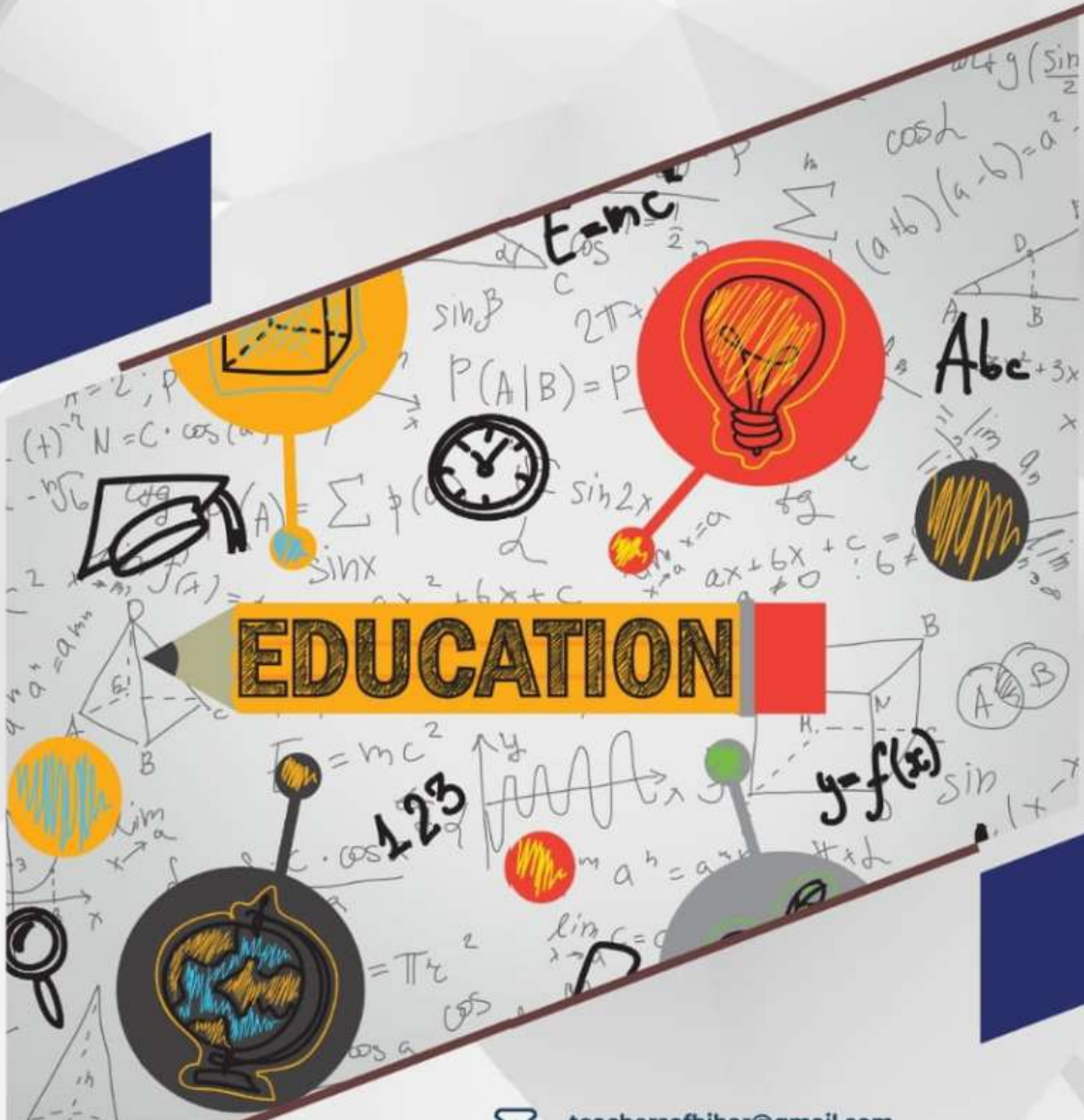

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

21 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आत्मसम्मान की रक्षा हमारा सबसे पहला धर्म और अधिकार है।

– मुंशी प्रेमचंद

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

21 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मनुष्य की अज्ञान की मार मनुष्य ही तो सहते हैं।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(कवि)

जन्म: 21 फरवरी 1899 मृत्यु: 15 अक्टूबर 1961

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

21 फरवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार 21 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

इतनी भी अच्छाई अच्छी नहीं इस जमाने में, लोग एक भूल के बदले पिछली सारी भलाई भूला देते है।

Even that much goodness is not good in these times, people forget all the past good for one mistake.

आज के दिन

1707– औरंगजेब की मौत अहमदनगर में हुई।

1795– डचों ने सीलोन, श्रीलंका अंग्रेजों को सौंप दिया।

1829– कर्नाटक की वीरांगना और स्वतंत्रता सेनानी रानी चेन्नम्मा का निधन।

1842– अमेरिका में सिलाई मशीन का पेटेंट कराया गया।

1948– स्वतंत्र भारत के संविधान का प्रारूप संविधान सभा के अध्यक्ष के समक्ष रखा गया।

1959 – प्रेस क्लब आफ इंडिया की नई दिल्ली में स्थापना।

1. **अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस**– मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और दे''प्रेम की भावना को बढ़ाती है। 17 नवंबर 1999 को यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया गया था। 21 फरवरी 2000 से पुरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। यह घोषणा बांग्लादेशियों (तब पूर्वी पाकिस्तानियों) द्वारा किए गए भाषा आंदोलन के सम्मान में की गई थी। इस दिवस का उद्देश्य भाषाई, बहुभाषावाद तथा सांस्कृतिक विविधता को महत्व देना है।

2. **शांतिस्वरूप भट्नागर का जन्म**– डॉ0 शांतिस्वरूप भट्नागर का जन्म 21 फरवरी, 1894 को शाहपुर (अब पाकिस्तान) में हुआ था। शांतिस्वरूप भट्नागर ने मोम को गंधहीन बनाने में, मिट्टी के तेल को शुद्ध करके लौ को और ऊँचा करने में पेट्रोलियम उद्योग से निकलने वाले पदार्थों का उपयोग करने की दिशा में शोध कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया। भारत की आजादी के बाद उन्होंने तेल–शोधनशालाएं खुलवाई। परमाणु खनिजों तथा खनिज तेल का सर्वेक्षण शुरू करवाया। उनके स्मृति में प्रतिवर्ष भारतीय वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं को पिछले पाँच वर्षों में किये गये विशिष्ट व उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'शांतिस्वरूप भट्नागर पुरस्कार' प्रदान किया जाता है।

3. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म**– हिन्दी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म 21 फरवरी को बंगाल के महिषादल जिले में हुआ था। भाषा तथा साहित्य के अतिरिक्त संगीत और दर्शनशास्त्र में भी इनकी प्रारम्भ से रूचि थी। निराला बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने वेदान्तवाद, राष्ट्रवाद, रहस्यवाद, सौंदर्यबोध, प्रकृति प्रेम, व्यक्तिगत विचार तथा प्रगतिशील मानवतावादी आदर्शों का अच्छा सम्मिश्रण प्रस्तुत किया। कविता के अतिरिक्त इन्होंने उपन्यास, कहानियां, निबंन्ध, आलोचना और संस्मरण भी लिखे हैं। परिमल, गीतिका, अनामिका आदि निराला की प्रसिद्ध कृतियां हैं। 'वर दे वीणा वादिनी वर दे' प्रार्थना भी सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' जी ने ही लिखा है।

4. **बांका तथा जमुई जिला स्थापना दिवस**– बांका तथा जमुई जिले की स्थापना 21 फरवरी, 1991 को हुआ था। बांका पूर्व में भागलपुर जिला का एक अनुमंडल था। जमुई जैनों के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। प्राचीन समय में इसे जूम्भिकग्राम के नाम से जाना जाता था। माना जाता है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने उज्जिहवलिया नदी के तट पर स्थित जूम्भिकग्राम में दिव्य ज्ञान प्राप्त किया था। जमुई जिले का संबंध रामायण काल से भी है। माना जाता है कि जमुई जिले के खैरा प्रखण्ड के गिद्धेश्वर नामक स्थान पर ही जटायु नामक गिद्ध पक्षी ने रावण से उस वक्त युद्ध किया था जब माता सीता का अपहरण कर ले जा रहा था।

वर दे! वीणावादिनी वर दे!

वर दे! वीणावादिनी वर दे! × 2
प्रिय स्वतंत्र रव अमृत मंत्र नव
भारत में भर दे,
वर दे! वीणावादिनी वर दे! × 2

काट अंध उर के बंधन स्तर
बहा जननी ज्योर्तिमय निर्झर
कलुश भेदतम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे,
वर दे! वीणावादिनी वर दे! × 2

नवगति नव लय ताल छंद नव
नवलकंठ नव जलद मंद्र नव
नव नभ के नव विहग वृंद को
नव पर नव स्वर दे,
वर दे! वीणावादिनी वर दे! × 2

– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

21 फरवरी

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी

मातृभाषा आदमी के संस्कारों की संवाहक है। मातृभाषा के बिना, किसी भी देश की संस्कृति की कल्पना बेमानी है। मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित करती है। विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना। अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृति **17** नवंबर, **1999** को यूनेस्को ने इसे स्वीकृति दी। यूनेस्को द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की घोषणा से बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृति मिली, जो बांग्लादेश में सन **1952** से मनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में इस दिन एक राष्ट्रीय अवकाश होता है। **2008** को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा वर्ष घोषित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को फिर महत्त्व दिया था।इस दिन को मनाने के पीछे का कारण भाषाई और सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने है।बांग्लादेश सरकार के अस्तित्व में आने के बाद बांग्लादेश सरकार ने यूनेस्को के सामने एक प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव के बाद **17** नवंबर, **1999** को यूनेस्को ने निर्णय लिया कि **1952** में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में **21** फरवरी को संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जायेगा। मातृभाषा आदमी के संस्कारों की संवाहक है। मातृभाषा के बिना, किसी भी देश की संस्कृति की कल्पना बेमानी है।मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित करती है। विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना। अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृति **17** नवंबर, **1999** को यूनेस्को ने इसे स्वीकृति दी। यूनेस्को द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की घोषणा से बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृति मिली, जो बांग्लादेश में सन **1952** से मनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में इस दिन एक राष्ट्रीय अवकाश होता है। **2008** को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा वर्ष घोषित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को फिर महत्त्व दिया था।

जयंती विशेष 21 फरवरी

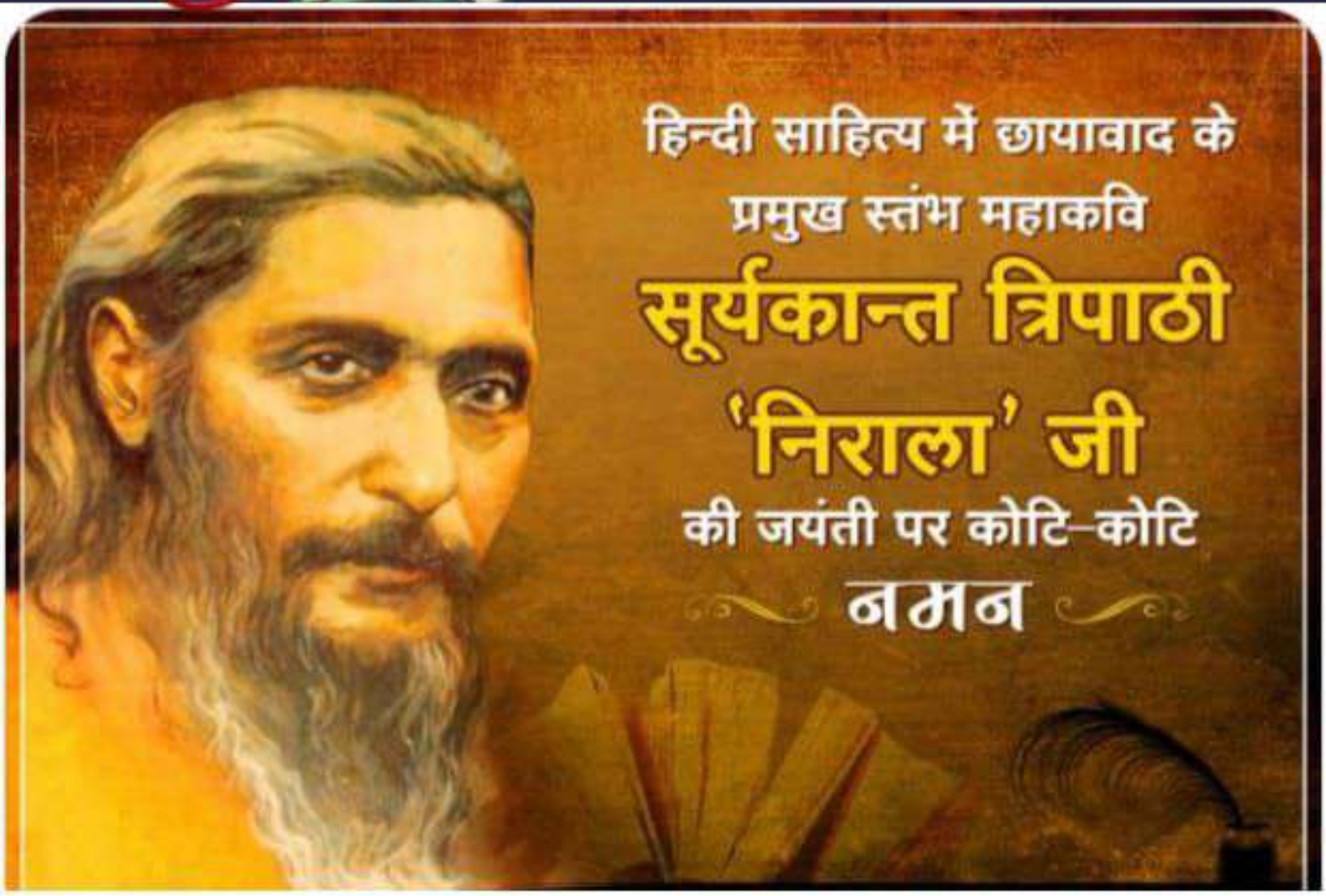

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला Suryakant Tripathi 'Nirala', जन्म- माघ शुक्ल 11 सम्वत् 1953 अथवा 21 फ़रवरी, 1896 ई., मेदनीपुर बंगाल; मृत्यु- 15 अक्टूबर, 1961, प्रयाग) हिन्दी के छायावादी कवियों में कई दृष्टियों से विशेष महत्त्वपूर्ण हैं। निराला जी एक कवि, उपन्यासकार, निबन्धकार और कहानीकार थे। उन्होंने कई रेखाचित्र भी बनाये। उनका व्यक्तित्व अतिशय विद्रोही और क्रान्तिकारी तत्त्वों से निर्मित हुआ है।

ToB बालमन

गुणकारी सब्ज़ी

पालक

पालक (स्पिनेशिया ओलेरेशिया)शीतऋतु की फसल है तथा पाले को सहन कर सकता है किंतु अधिक गर्मी नहीं सह सकता।पालक अमरन्थेसी कुल का फूलने वाला पादप है, जिसकी पत्तियाँ एवं तने साग के रूप में खाये जाते हैं। पालक में खनिज लवण तथा विटामिन पर्याप्त रहते हैं, किंतु ऑक्ज़ैलिक अम्ल की उपस्थिति के कारण कैल्शियम उपलब्ध नहीं होता। पालक में लोहे का अंश भी बहुत अधिक रहता है। पालक में मौजूद लोहा शरीर द्वारा आसानी से सोख लिया जाता है। इसलिए पालक खाने से खून के लाल कणों की संख्या बढ़ती है। पालक को पके या कच्चे रूप में खाया जा सकता है।पालक एक वार्षिक पौधा है जो कम समय में काफ़ी उपज देता है।

धीरज कुमार

Class 5
EVS

ToB TLM

पटना से नाथुला की यात्रा

* यात्रा हमारे जीवन का एक हिस्सा हैं।
* हम अपने जीवन में कहीं न कहीं की यात्रा करते रहते हैं।
* पटना से नाथुला की यात्रा लगभग 637 कि.मी. के आस-पास है।
* नाथुला हिमाचल की गोद में बसा एक पहाड़ी दर्रा है, जो भारत के सिक्किम राज्य और दक्षिण तिब्बत चुंबी घाटी को जोड़ता है।
* नाथुला भारत और चीन के बीच तीन खुले व्यापारिक सीमा चौकियों में से एक है और अपनी सुरम्य सुंदरता और सुंदर वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।
* वहां का तापमान सालों भर भारत के अधिकांश हिस्सों से कम रहने के कारण गर्मियों के मौसम में पर्यटकों को ज्यादा आकर्षित करता है।
* वहां सिर्फ भारतीय पर्यटकों को जाने की अनुमति होती है।

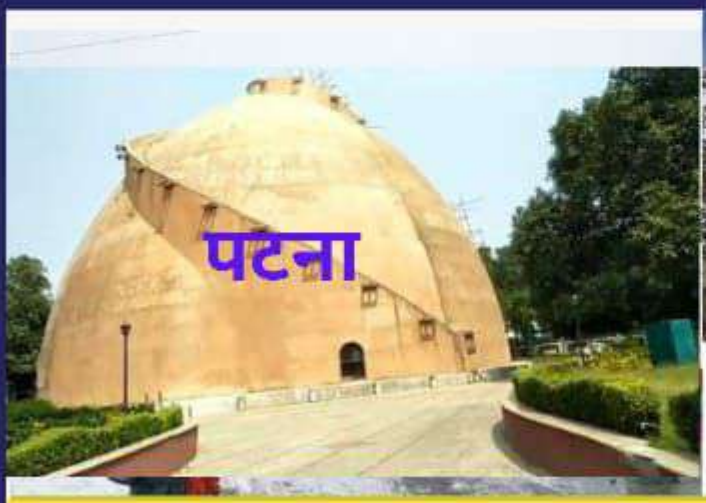

पुनीता कुमारी

सर्वनाम

हिंदी TLM

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - यह, वह, हम, तुम, उसे, आप इत्यादि।

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

नाइओबियम(Niobium)

संकेत (Symbol) - **Nb**

परमाणु संख्या (Atomic number) --41

समूह (group)-5

आवर्त (period)-5

ब्लाक (block)-d

परमाणु भार A.weight -92.906

संयोजकता (valancy)-2

समस्थानि (isotope)-7

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $[Kr]4d^4 5s^1$

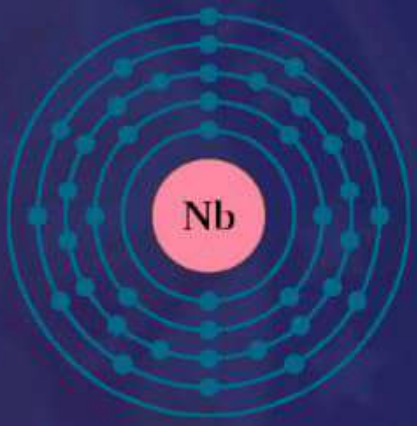

खोज

1801, चार्ल्स हैंचेट

भौतिक गुण

दुर्लभ, मुलायम, भूरे रंग का तन्य, संक्रमण धातु

रासायनिक गुण

सुपर कंडक्टर, अनुचुंबकीय, अम्ल, क्षार के प्रति अप्रतिक्रियाशील

उपयोग

वेल्डिंग, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, गैस पाइपलाइन

Anu priya

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 21.02.2025

कैनवास क्विज़

कैनवास में क्विज़ ऐसे असाइनमेंट हैं जिनका उपयोग छात्रों की समझ को चुनौती देने और पाठ्यक्रम सामग्री की समझ का आकलन करने के लिए किया जा सकता है। क्विज़ टूल का उपयोग ऑनलाइन क्विज़ और सर्वेक्षण बनाने और संचालित करने के लिए किया जाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

नीमन मार्कस बाइक दुनिया की सबसे **महंगी बाइक** है। जिसकी कीमत करीब **80 करोड़ रुपए** है। इस बाइक की Top Speed **350 किमी** प्रति घंटे है। इसकी बॉडी को **टाइटेनियम,** एल्यूमीनियम और **कार्बन फाइबर** बनाया गया है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 513

मधुमक्खी की कितनी आंख होती हैं?

A. पांच

B. तीन

C. सात

D. दो

सही उत्तर: A

www.teachersofbihar.org

ToB बूझो तो जानें..

485

धक-धक मैं हूँ करती, फक-फक धुँआ फेंकती,
बच्चे बूढ़े मुझ पर चढ़ते, निशानों पर मैं दौड़ती हूं ....
बुझो तो जानें... ?

संजय कुमार

www.teachersofbihar.org

कब और क्यों शुरू हुई थी चैंपियंस ट्रॉफी

1998 में ICC और BCCI के पूर्व प्रेसिडेंट जगमोहन डालमिया ने नॉकआउट ट्रॉफी के नाम से टूर्नामेंट शुरू किया। बांग्लादेश, केन्या जैसे छोटे देशों को शुरुआत में मेजबानी दी गई, ताकि वहां क्रिकेट के लिए रेवेन्यू जनरेट हो सके। टूर्नामेंट की लोकप्रियता बढ़ने लगी और इसे वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, भारत और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी कराया गया।

1998 से 2006 तक हर 2 साल में टूर्नामेंट खेला जाता था। 2009 से हर 4 साल में टूर्नामेंट होने लगा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि 2007 में ICC के टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत भी हो गई थी, जो हर 2 साल में एक बार होता है। टी-20 वर्ल्ड कप से ही तय किया गया कि हर साल ICC का कोई न कोई मेंस टूर्नामेंट जरूर होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप हर 2 साल में एक बार होने लगा। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे वर्ल्ड कप 4-4 साल में एक बार होता है। 2009 के बाद 2013 और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी खेली गई। अब 2025 के बाद 2029 में टूर्नामेंट होगा।

TEACHERS OF BIHAR

Presents

CYBERमंत्र

साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा

01

पासवर्ड दर्ज करने के लिए यदि
संभव हो तो केवल वर्चुअल
कीबोर्ड का ही उपयोग करें।

शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=booklet-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

M.priya

ToB Photo of the day

मध्य विद्यालय जगदीशपुर, भागलपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईटहा, मनियारी, मुरौल

मध्य विद्यालय विष्णुचक, समेली, कटिहार

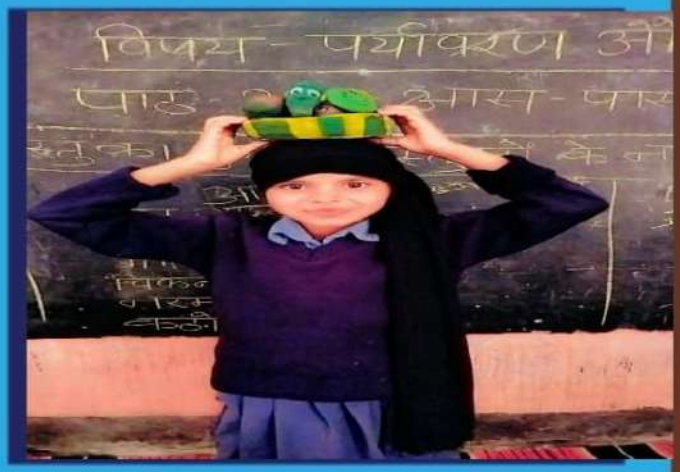

प्राथमिक विद्यालय रामसंग
हरनौत, नालंदा

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद

21 फरवरी

जमुई जिला स्थापना दिवस

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

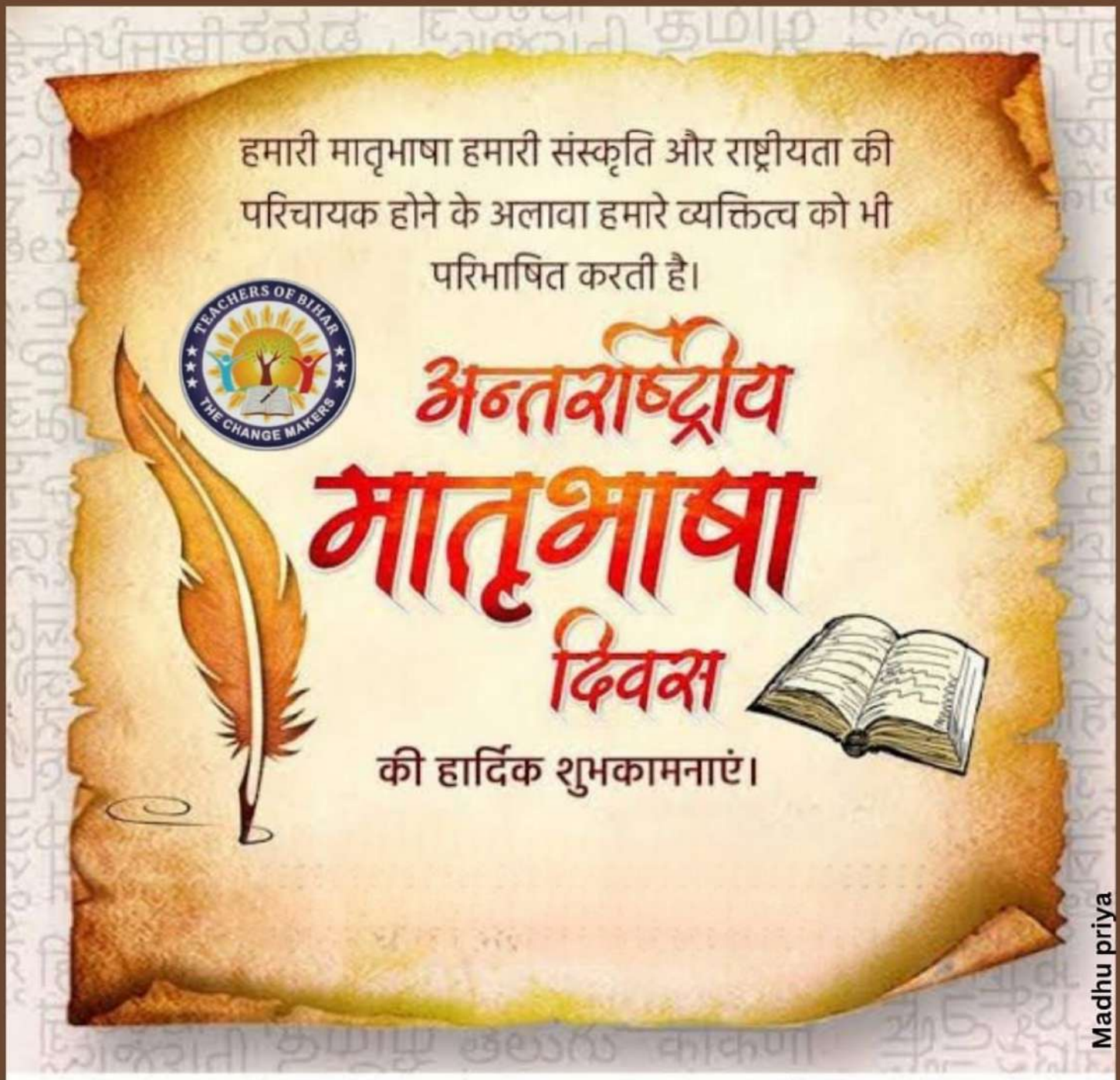

www.teachersofbihar.org